

श्रीसीतारामाष्टकम्

{ श्रीसीतारामाष्टकम् }

अक्षमहेन्द्रसुरेन्द्रमरुद्गणरुद्रमुनीन्द्रगणैरतिरभ्यं
क्षीरसरित्पतितीरमुपेत्य नृतं हि सतामवितारमुद्धरम् ॥
भूमिभरप्रशमार्थमथ प्रथितप्रकटीकृतचिद्धनमूर्तिम् ॥
त्वां भजतो रघुनन्दन देहि दयाघन मे स्वपद्मभुजदस्यम् ॥ १ ॥

पद्मदलायतलोचन हे रघुवंशविभूषण देव दयालो
निर्मलनीरदनीलतनोऽभिललोकहृद्भुजभासक भानो ॥
शोभलगात्र पवित्रपद्मभुजःकणपावित गौतमकान्त ॥
त्वां भजतो रघुनन्दन देहि दयाघन मे स्वपद्मभुजदस्यम् ॥ २ ॥

पूर्णा परात्पर पालय मामतिदीनमनाथमनन्तसुभाब्धे
प्रावृद्धभ्रतडित्सुमनोहरपीतवराम्बर राम नमस्ते ॥
कामविभञ्जन कान्ततरानन काञ्चनभूषण रत्नकिरीट ॥
त्वां भजतो रघुनन्दन देहि दयाघन मे स्वपद्मभुजदस्यम् ॥ ३ ॥

दिव्यशरच्छशिकान्तिहरोज्ज्वलमौक्तिकमालविशालसुमौले
कोटिरविप्रभ चारुचरित्रपवित्र विशित्रधनुःशरपाणे ॥
चाण्डमहाभुजदण्डविभ्रष्टितराक्षसराजमहागणदण्डम् ॥
त्वां भजतो रघुनन्दन देहि दयाघन मे स्वपद्मभुजदस्यम् ॥ ४ ॥

दोषविहिंस्रभुजङ्गसहस्रसुरोषमहानलकीलकलापे
जन्मजरामरणोर्मिमये मधमन्मथनकवियुक्तमवाब्धौ ॥

दुःभनिधौ च चिरं पतितं कृपयाद्य समुद्धर राम ततो माम् ॥
त्वां भजतो रघुनन्दन देहि दयाघन मे स्वपदाम्बुजदस्यम् ॥ ५ ॥

संसृतिघोरमदोत्कटकुञ्जरतृक्षुदनीरधपिण्डिततुण्डं
दण्डकरोन्मथितं च रजस्तम उन्मदमोहपदोन्मिषतमार्तम् ॥
दीनमनन्यगतिं कृपयां शरणागतमाशु विमोचय मूढम् ॥
त्वां भजतो रघुनन्दन देहि दयाघन मे स्वपदाम्बुजदस्यम् ॥ ६ ॥

जन्मशतार्जितपापसमन्वितहृत्कमले पतिते पशुकल्पे
हे रघुवीर महारणधीर दयां कुरु मय्यतिमन्दमनीषे ॥
त्वं जननी भगिनी च पिता मम तावदसि त्ववितापि कृपालो ॥
त्वां भजतो रघुनन्दन देहि दयाघन मे स्वपदाम्बुजदस्यम् ॥ ७ ॥

त्वां तु दयालुमकिञ्चनवत्सलमुत्पललहारमपारमुद्धरं राम
विहाय कमन्यमनामयमीश जन् शरणां ननु यायाम् ॥
त्वत्पदपद्ममतः श्रितमेव मुदा भलु देव सदाव ससीत ॥
त्वां भजतो रघुनन्दन देहि दयाघन मे स्वपदाम्बुजदस्यम् ॥ ८ ॥

यः करुणामृतसिन्धुरनाथजनोत्तमबन्धुरभोत्तमकारी
भक्तभयोर्भिभवान्धितरिः सरयूतटिनीतटयारविहारी ॥
तस्य रघुप्रवरस्य निरन्तरमष्टकमेतद्वनिष्टहरं वै यस्तु
पठेद्दमरः स नरो लभतेऽय्युतरामपदाम्बुजदस्यम् ॥ ९ ॥

॥ इति श्रीमन्मधुसूदनाश्रमशिष्याय्युतयतिविरचितं

श्रीसीतारामाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Visit <http://www.webdunia.com> for additional texts with Hindi meanings.

Please send corrections to sanskrit@cheerful.com

Last updated त्oday

<http://sanskritdocuments.org>

Sita Rama Ashtakam Lyrics in Gujarati PDF

% File name : siitaaraama8.itx

% Category : aShTaka

% Location : doc_raama

% Author : achyutayati

% Language : Sanskrit

% Subject : philosophy/hinduism/religion

% Transliterated by : <http://www.webdunia.com>

% Proofread by : Kirk Wortman kirkwort at hotmail.com

% Latest update : January 13, 2002

% Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

% Site access : <http://sanskritdocuments.org>

%

% This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study

% and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of

% any website or individuals or for commercial purpose without permission.

% Please help to maintain respect for volunteer spirit.

%

We acknowledge well-meaning volunteers for Sanskritdocuments.org and other sites to have built the collection of Sanskrit texts.

Please check their sites later for improved versions of the texts.

This file should strictly be kept for personal use.

PDF file is generated [October 13, 2015] at Stotram Website